LITTLE FLOWER SCHOOL, RAPTINAGAR, GORAKHPUR
FIRST SEMESTER EXAMINATION 2021-22

Class- IX **Time- 3 Hours**
Hindi **MM- 80 Marks**

नोट– प्रश्नपत्र दो खण्डों में विभक्त है। खण्ड (क) से सभी प्रश्नों के उत्तर लिखना अनिवार्य है। खण्ड (ख) से कुल चार प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं।

खण्ड (क)

प्रश्न 1. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 250 शब्दों में प्रस्ताव लिखिए :– [15]

(i) आज सारा संसार फैशन का दीवाना है। हमारा अधिकांश व्यवहार फैशन पर ही आधारित है। आपकी दृष्टि में फ़ैशन क्या है और यह आज के मनुष्य को किसप्रकार प्रभावित कर रहा है?

(ii) आपने अपने जीवन के विषय में क्या सोच रखा है? आप क्या बनना चाहेंगे? अपने उद्देश्य की प्राप्ति के लिए आप कौन–से प्रयास करेंगे?

(iii) 'प्रेम से सामाजिक तथा राष्ट्रीय संबंध बढ़ते हैं'– प्रस्तुत पंक्ति के आधार पर अपने विचार प्रस्तुत कीजिए।

(iv) एक मौलिक कहानी लिखिए जिसका आधार निम्नलिखित उक्ति हो–
'मन के हारे हार है मन के जीते जीत'

(v) नीचे दिए गए चित्र को ध्यानपूर्वक देखिए और चित्र को आधार बनाकर वर्णन कीजिए, जिसका सीधा और स्पष्ट संबंध चित्र से होना चाहिए।

प्रश्न 2. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए :– [7]

(i) छात्रावास में रहने वाले अपने भाई/बहन को पत्र लिखकर 'समय के सदुपयोग' के महत्त्व पर प्रकाश डालिए।

(ii) विद्यालय के प्रधानाचार्य को विद्यालय के पुस्तकालय में हिंदी की पत्रिकाएँ उपलब्ध कराने हेतु पत्र लिखिए।

प्रश्न 3. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए। उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में हो :– [10]

भारतवर्ष के जिन महापुरूषों का मानव–जाति के विचारों पर स्थायी प्रभाव पड़ा है, उनमें श्रीकृष्ण का स्थान प्रमुख है। आज से लगभग पाँच हजार वर्ष पूर्व दो ऐसे व्यक्तियों का जन्म हुआ जिनके मस्तिष्क की छाप हमारे राष्ट्रीय जीवन पर बहुत गहरी पड़ी है। संयोग से उन दोनों का नाम कृष्ण था। समकालीन इतिहास लेखकों ने दोनों में भेद करने के लिए एक को द्वैपायन कृष्ण कहा है जिन्हें आज सारा देश महर्षि वेदव्यास के नाम से जानता है। उनके मस्तिष्क की प्रतिभा आज तक हमारे धार्मिक जीवन और विश्वासों को प्रभावित करती है। दूसरे हैं देवकी–वसुदेव पुत्र कृष्ण, जिन्हें हम अब वास्तव में केवल कृष्ण के नाम से जानते हैं। कृष्ण की

बाल–लीलाओं के मनोरम आख्यान, उनके गीताशास्त्र के महान् उपदेश, तथा महाभारत के युद्ध में उनके विविध आर्योचित कर्मों की कथाएँ आज घर–घर में प्रचलित हैं। असंख्य मनुष्यों का जीवन आज कृष्ण के आदर्श से प्रभावित होता है। वस्तुतः हमारे साहित्य का एक बहुत बड़ा भाग कृष्ण चरित्र से अनुप्राणित हुआ है। कृष्ण के जीवन की घटनाएँ केवल अतीत इतिहास के जिज्ञासुओं के कुतूहल का विषय नहीं है, वरन् वे धार्मिक जीवन की गतिविधियों को नियंत्रित करने के लिए आज भी भारतीय आकाश में चमकते हुए आकाशदीप की तरह सुशोभित और जीवित हैं।

(i) समकालीन इतिहास लेखकों ने दोनों कृष्ण का भेद किसप्रकार किया है? **[2]**

(ii) वेदव्यास का दूसरा नाम क्या है और उनकी प्रतिभा का हम पर क्या प्रभाव पड़ा है? **[2]**

(iii) वासुदेव श्रीकृष्ण का जीवन कैसा था? **[2]**

(iv) आज हमारा जीवन कृष्ण के आदर्श जीवन से किसप्रकार प्रभावित है? **[2]**

(v) प्राचीन महापुरूषों के आदर्श आधुनिक समय में हमारे लिए किसप्रकार लाभप्रद हैं? **[2]**

प्रश्न 4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए :– [8]

(i) निम्नलिखित शब्दों से विशेषण बनाइए–
देह, परिवार

(ii) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो पर्यायवाची शब्द लिखिए–
अश्व, अमृत

(iii) निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं दो शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखिए–
आदि, आसक्त, उत्कृष्ट, कनिष्ठ

(iv) निम्नलिखित शब्दों से भाववाचक संज्ञा बनाइए–
मित्र, अपना

(v) निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक की सहायता से वाक्य बनाइए–
अगर–मगर करना, आँखें फेर लेना

(vi) कोष्ठक में दिए गए निर्देशानुसार वाक्यों में परिवर्तन कीजिए–

क) मेरी यह कविता <u>किसी की नकल नहीं</u> है।
(रेखांकित शब्दों के स्थान पर एक शब्द का प्रयोग करके वाक्य पुनः लिखिए।)

ख) लक्ष्मीबाई वीर थीं।
(वाक्य शुद्ध कीजिए।)

ग) जिसका कोई शत्रु न हो।
(वाक्यांश के लिए एक शब्द लिखिए।)

खण्ड (ख) अंक–40
साहित्य सागर– संक्षिप्त कहानियाँ

प्रश्न 5. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए :–

''चोरी पकड़ी गई तो अपराध हो गया। असली अपराधी बड़ी–बड़ी कोठियों में बैठकर दोनों हाथों से धन बटोर रहे हैं। उन्हें कोई नहीं पकड़ता।''

(बात अठन्नी की–सुदर्शन)

क) चोरी किसने व क्यों की थी? **[2]**

ख) असली अपराधी से क्या तात्पर्य है? यहाँ असली अपराधी किसे कहा गया है? **[2]**

ग) 'उन्हें कोई नहीं पकड़ता' से आप क्या समझते हैं? उनको क्यों नहीं पकड़ा जाता? **[3]**

घ) इस कहानी में लेखक ने समाज की कौन–सी बुराई को प्रकट करने का प्रयास किया है? क्या वे अपने प्रयास में सफल हुए हैं? समझाकर लिखिए। **[3]**

प्रश्न 6. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए :–

विश्वेश्वर हतबुद्धि होकर वहीं खड़े रह गए।

(काकी–सियारामशरण गुप्त)

क) विश्वेश्वर कौन हैं? उनका संक्षिप्त परिचय दीजिए। **[2]**

ख) विश्वेश्वर ने श्यामू को क्या दण्ड दिया और क्यों? **[2]**

ग) क्या आपकी दृष्टि में श्यामू अपराधी था? तर्कपूर्ण उत्तर दीजिए। **[3]**

घ) इस अवतरण के आधार पर विश्वेश्वर की मनोदशा पर प्रकाश डालिए। **[3]**

प्रश्न 7. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए :–

वह प्रायः अकेला बैठा–बैठा शून्य मन से आकाश की ओर ताका करता।

(काकी–सियारामशरण गुप्त)

क) शून्य मन से आकाश की ओर ताकने वाला बालक कौन है? उसका परिचय दीजिए। **[2]**

ख) वह बालक अकेला बैठा–बैठा क्या सोचता रहता था और क्यों? **[2]**

ग) आकाश की ओर देखते–देखते एक दिन वह प्रसन्न क्यों हो उठा? उसकी प्रसन्नता का क्या कारण था? **[3]**

घ) उपर्युक्त अवतरण के आधार पर बालक की मनोदशा पर प्रकाश डालिए। **[3]**

साहित्य सागर– पद्य भाग

प्रश्न 8. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए :–

जब मैं था तब हरि नहीं, अब हरि हैं मैं नाहि।
प्रेम गली अति साँकरी, तामे दो न समाहि।।

(साखी–कबीरदास)

क) 'मैं' का अर्थ स्पष्ट कीजिए। उसके होने पर कौन नहीं होता है? **[2]**

ख) 'साँकरी' शब्द का अर्थ लिखिए और अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए। **[2]**

ग) 'प्रेम गली' से कवि का क्या तात्पर्य है? उसकी क्या विशेषता है?
उसमें कौन दो एक साथ नहीं रह सकते? **[3]**

घ) इस दोहे के माध्यम से कवि हमें क्या संदेश दे रहे हैं? **[3]**

प्रश्न 9. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए :–

पानी बाढ़ै नाव में, घर में बाढ़े दाम।
दोऊ हाथ उलीचिए, यही सयानो काम।।
यही सयानो काम, राम को सुमिरन कीजै।
पर–स्वारथ के काज, शीश आगे धर दीजै।।
कह 'गिरिधर कविराय', बड़ेन की याही बानी।
चलिए चाल सुचाल, राखिए अपना पानी।

(गिरिधर की कुंडलियाँ–गिरिधर कविराय)

क) कवि ने दोनों हाथों से कब और क्या उलीचने की बात की है? **[2]**

ख) सयाना व्यक्ति कौन होता है? वह किस प्रकार का व्यवहार करता है? **[2]**

ग) 'पर–स्वारथ के काज, शीश आगे धर दीजै' पंक्ति का अर्थ स्पष्ट कीजिए। **[3]**

घ) आपने इस कुंडलियाँ से क्या सीखा? **[3]**

प्रश्न 10. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए :–

सात समंद की मसि करौं, लेखनि सब बनराय।
सब धरती कागद करौं, हरि गुन लिखा न जाय।।

(साखी–कबीरदास)

क) सात समुद्रों की स्याही से कवि क्या करना चाहते हैं? वह पर्याप्त क्यों नहीं है? **[2]**

ख) 'लेखनि सब बनराय' का अर्थ स्पष्ट कीजिए। **[2]**

ग) कवि ने कागज़ के रूप में किस वस्तु की कल्पना की है? कागज़ और लेखनी से कवि क्या करना चाहते हैं और क्यों? **[3]**

घ) 'सात समंद' से कवि का क्या तात्पर्य है? दोहे का केन्द्रीय भाव अपने शब्दों में लिखिए। **[3]**

*****